क्रम सं०

प्रविष्ट सं० ———— विषय: वेद

ग्रन्थकार ————

नाम ऋग्वेदीय सर्वानुक्रम:

पत्र सं० ५-२४

श्लोक सं० ————

आदर्श सं० (पोथी) २ ———— पंक्ति सं० (पृष्ठे) ८

आकार: ८-७×२.५

लिपि: दे० ना०

आधार: कागज

त्रि० विवरणम् ————

602230

द्वि २८

पी० ए० ऊ० यू० पी०——५७ एस० पी० ई०——१९५१——२०,०००

Indira Gandhi National
Centre for the Arts

श्रीमाहं( [illegible] )

[illegible] (नीमोह) रावोजिनजी पि. २८

श्रीसप्तव्यसनकथा । —

श्रीमालादि [illegible] २२७४

ॐ [illegible] ६.२

७.म. ६२९५

दी०। विजैराम

[illegible] मत्यां प्रणक्रिय [illegible] रूतज्ञतीकि [illegible]
विदेव वह्निदस्यन्नु क मिथ्या मोप श्य पदेश न चेन ज्ञान स्ते [illegible]
तेक स त्रि विद्धिमित्रा त्रा गां बा न गा य उद्दिदो देवत विद्या ज ना अपुन
[illegible] गुह्रुतावाता स्यामकु नेव वि यो यात प्रा मानि उदा सिज न वनु
स्तु विद द तेक्त गुं बर्ड तिग ते का या च ने प्र मी यते का पा यी पान्न वतीति दि
[illegible] प्रपत्रप संग ताकिन त्रा छ म स्येथ [illegible] स्त न म [illegible]
मधु माया नाः दृशि क्र थ स्वि द वि [illegible] पितं ज्ञ गत सविम श्रिय मनु [illegible]
च आ जिर सवि घाघ स्य वा का स त्राय धी तेनो या ते मा दव ता पदको [illegible]
[illegible] तद्दे रा ये सा व रुप याद व ता [illegible] तेति स्तुणा यावं क्ति ग एव देर [illegible]

यत रित्व पुत्रीना ग्नि वी युः सूर्ये रलि वं व्या इत य : श्री लावा स्तः यत स्ता नी प्रजापति
जोकारः स वे देव यो जा तो देव त्रा अग्नि कः पा रुते ष्यो दात च स्त्रो ना अन्या स्को [illegible]
त य : क न हृ ष क्षा द्दि हृ ष ग तिथ न स्तुत यो न व यो कि व वा म ता ना मा देवता सस्तद्य [illegible]
व क्ते स दि स वे न्द्रता मा तु क म ति णा सू ए त्रा ना जग तस्त स्थु षश्रु तित द्धि रुत या ना
देवता लर व्ये न द्द यो का मिं द्र मित्र वरुण मग्नि मा हु रि ति यथा वि ध्यान व तु त्रो मिया रि
स : या पशु ड म रुतो म जा व दान स्तु त य ता र प्र य द दा लि ज गा या [illegible] ति मनु [illegible]
तो व क्रि वि त्रुष्टुप् गा य ति ज ग ती शा क्व रि नि श क्र र ध्यं घ यष्टि वृ चानि च्छन्द [illegible]
प्रतालि यान्न विविक्तिति : स तति स या षष्ठी वानि न्द तिनी म स ह म्पु च्छ तस च्छन्द
व तु वि स य दास्न्दा नि व त रु त रा ए प के ना ना चि के न निच्चकु ति ज्ञो [illegible]

Indira Gandhi National Centre for the Arts

[illegible] मेपादद्रव्य [illegible] तद्वीपसंयोगेकाकरीनावा [illegible] न येन सकलवर्णे
[illegible] दविशेषासंख्याविशेषा [illegible] नत्वान्मतत्वोवा [illegible] विराड्गुणाविशार [illegible]
[illegible] भवद्गुणा [illegible] दिशस्तत्र [illegible] शब्द [illegible] विराडविद्
[illegible] दशप्रा [illegible] पादर्शनी [illegible] प्रथमके [illegible]
[illegible] षट्का [illegible] वा पद पंक्ति [illegible] सवैकाद [illegible]
[illegible] सप्तकाः [illegible] प्रथमः षट्के [illegible] दति [illegible] घतन [illegible]
[illegible] सप्तकाष्टकाः [illegible] मानात विपरीतादति [illegible] षट्को सप्तकस्य [illegible]
सोध द्वितीय [illegible] दशक [illegible] प्रथम [illegible] 2
[illegible] पिरिकादशिनो [illegible] परपट्ट [illegible] शिरमध्ये [illegible]

च [illegible]

[illegible] क्रमप्रथाच: पंचकस्य [illegible] कान्यनु [illegible] पाद [illegible] तीय [illegible]
[illegible] महादद पंक्ति जोजतावष्ट [illegible] इति [illegible] दष्टक: पिपीलिक
[illegible] नवक [illegible] विराज [illegible] दशका [illegible]
[illegible] दशका [illegible] इतीचतीयो [illegible] दशक [illegible] इतीहि [illegible]
[illegible] इतीवा [illegible] पिपीलिक [illegible]
[illegible] इती [illegible] विषम [illegible] पंचम [illegible] पंक्ति
[illegible] इती [illegible] विपरीता [illegible]
[illegible] विराड [illegible] इती [illegible] प्रस्तार पंक्ति [illegible]
प्रस्तार पंक्ति [illegible] प्रस्तार पंक्ति [illegible]

Indira Gandhi National Centre for the Arts

... कोपादप्रस्ता[illegible] ... योगेका ... नावन्त्यादेनाके ... मनवे
... विराड्गायि ... 
... विशेष ... विराट् ... स्तरतो ... विराटत्रिष्टु
... छन्दो ... 
... [illegible] ... प्रथमं ... 
... [illegible] ... पद ... पंक्ति ... 
... [illegible] ... 
... [illegible] ... इति ... 
... [illegible] ... विपरीता इति ... 
... [illegible] ... दशाक्षरा ... 2॥
... द्वितीय ... पदं ... दशाक्षरा ... 
... [illegible] ... कादशिनी ... पदद्वय ... 

च ... [illegible]

ति क्रमश्चाच: ... का ... जे वा ... तीयमङ्कु
... पंक्ति ... जीजाताव ... दष्टक: पिपीलिक
... महापद पंक्ति ... ष्टक ... दशका ...
... का विराट ... दशाक ... चतुरस्रा इति ... 
... दशाका ... इती ... दशाक ... चतुरस्रा इति द्विती ... 
... इती ... परिहार ... दशका ... 
... पिपीलिका ... 
... इती ... विषमपदा चतुर्थ ... का ... पंक्ति ...
... का ... दशिनी ... इती विषमपदा ... इती ... विपरीता ...
पदा ... विराड् ... इती ... विपरीता ... 
... स्तारपंक्ति ... स्तारपंक्ति ... संस्तारपंक्ति ... प्रस्तारपं
... स्तारपंक्ति ... 

Indira Gandhi National
Centre for the Arts

त्रि

द्वि:॥ षष्ठं त्रिष्टुप् त्रिष्टुभ पदं द्वौ जगतो पस्याः ॥ जगतो जगती त्रिष्टुभे त्रिष्टुभेशत्रौ
जगतो वा [illegible] नव [illegible] त्रिष्टुप् [illegible] विराजो नवकास्त्रिष्टुप् [illegible] विराट्
[illegible] न [illegible] विराट् [illegible] विषमती [illegible]
[illegible] चारोष्ट का जगत [illegible] महा [illegible] एकादश का
[illegible] जगती [illegible] पादा [illegible]
[illegible] महापंक्ति [illegible]
[illegible] बृहत्य [illegible] द्वादश [illegible] नव [illegible] महा [illegible]
[illegible] ककुप् [illegible] पूर्वी [illegible]
[illegible] विपरीता [illegible] गायत्री
[illegible] अनुष्टुप् [illegible] संख्या [illegible] ॥
अनुष्टुभो नुष्टुप् [illegible]

[illegible] त्रिष्टुप् [illegible] विराट् [illegible]
[illegible] त्रिष्टुप् छंदः [illegible] बृहती [illegible] त्रिष्टुप् [illegible]
[illegible] देवता त्रिष्टुप् छंदः [illegible] बृहती [illegible] पदा [illegible]
[illegible] पदाः [illegible] पुरस्तात् [illegible] देव [illegible]
त्रिष्टुभे [illegible] गायत्री [illegible]
[illegible] विराट् [illegible] जगती [illegible]
[illegible] शतं [illegible]
[illegible] सावित्री [illegible]
दिव्य [illegible] ॥१२॥ [illegible] महत् [illegible] विराट् [illegible]

लि [illegible] न्याशिनाहा दर्शा [illegible] निं द्रविस्वदेव सार [illegible] तासि
[illegible] ड वा जव मि [illegible] का स्य वा [illegible] त्कुंदर्शो [illegible] प्राउ युडे [illegible] ह्वे चे ता: प्र [illegible]
वा: सप्ते ता: त्र उग दे व ता: [illegible] प [illegible] [illegible] सा ना सि मिं इ [illegible] ति [illegible] ना नुष्टु नंदि
वी [illegible] कि दि [illegible] ची [illegible] [illegible] निदि [illegible] दश मे [illegible] तिथि: का [illegible] ग्ने पम [illegible] ने लि पादे
ऊम [illegible] डे ता मा कुर्छ द सा [illegible] वनी मो स्तु समिद्ध इ ता [illegible] सन्निद्धो [illegible] ग्नि [illegible] पा
[illegible] द्विवे [illegible] नि र्म [illegible] क्षा दे वो सो ता [illegible] ग वे त सो ति [illegible] देव
[illegible] बहिर्दैवी [illegible] उ [illegible] त्वा [illegible] य इति ग [illegible] देवता [illegible]
सर स्वा ती जा ना [illegible] [illegible] मा [illegible] प्र [illegible]
[illegible] ते ना [illegible] का दि व ता [illegible] का द श्या नि व ना [illegible] [illegible] ती चा [illegible] ष्यु: ग्ने च्यो [illegible]
त नून पा [illegible] नि र्वि [illegible] देव [illegible] सो म म [illegible] मा सा [illegible]
तनून पा [illegible] निर्वि [illegible] देव लिंड सोम म [illegible]

सो मे त्रा [illegible] णी [illegible] कि [illegible] शा [illegible] नामि [illegible] देवता: सर्व [illegible]
[illegible] सा [illegible] लि पं च [illegible] स्या [illegible]
वरूण यो रै [illegible] व रू [illegible] सुवा [illegible] पाद नि [illegible] सो [illegible]
मिं इन्द्र सो म [illegible] [illegible] गां [illegible] स्य [illegible] सी [illegible] प्रति [illegible]
[illegible] मा रु [illegible] प्र थम [illegible] वा [illegible] वि मि [illegible] लिङ्गा [illegible] प्रा त र्यु जा [illegible] का [illegible] अश्वि [illegible]
सा वि [illegible] आग्ने यो हे दे वी ना [illegible] पीनां [illegible] वाप [illegible] ष्टि [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] वि शति र्वा य [illegible] कि [illegible] नि [illegible] दरूगा
[illegible] सो तो दे वा दि [illegible] [illegible] [illegible] ग [illegible] त: [illegible]
न रू [illegible] या वि विश्व देवा [illegible] [illegible] [illegible] तिश्रो [illegible] शुन: शेप [illegible]
[illegible] सु हि [illegible] कृ [illegible] ति [illegible] क सा [illegible] जी [illegible]
त्रि मो [illegible] भामि [illegible] देव सा तो वारुण [illegible] ता [illegible] का [illegible] ग्ने [illegible] सावि [illegible]

Indira Gandhi National Centre for the Arts

नो स्पां न्ना न्ना जा जा य त्रि हि का व ति स्फ द स्नने पं च स्मृ स दो ना ज्ञा य त्रे स्वा दे वी त्रि
कुञ्जरं ज्ञा बा न व य न नु पु बा दि य त्रि छि नु स्व नौ प रा जा सु मौ च छ ज्ञा प ते हे त्रि ख्य स्मा
स्वा व र्म ज्ञ ग्रा च्चा व प त्रि स्त स पा ङ्कु मा वो वां न्न का स्मा के पा द नि न् ज्ञं भु त्रि पु च्छ रै ह वा वा
स्नि नो य त्रि च म न्त ठ ना द्वि र ष्य स्त प न्न ज्ञ पं त्रि पु वं ता न्न वी दो ल हि नो नें ई स्प
द वो ना र ए ता भू त्रि पु द ज्ञा त्रि नं न ज्ञ न्द वि त्रि पु त्तो छ या स्त्रि ना द र सा दि [illegible]
ना रु ग घा घा व लिं गो हु दि व न पा द स्फ पं: द्र वो वि ज्ञा लि: क टि का तो र श्री [illegible]
श्री ज्ञ य म्ह ति ष्टो म ई कु पि ष्यो वी नं दं तो ना ना र न द्वि ज्ञा य ज्ञ कु क स्व ष्ट [illegible]
ज्ञ मा ग्रा ये न ह त्रि ग्रा न्रा ज्ञा त्त ता न्न ये य र द्वे लि ना व क ना मि त्रा पं त्र्को न ने र
न श्रा दि च न्ता ज्ञा य त्रे द्वि मं ह्म वं नो पि त्रे के कु न र न व रां स्ट ती पा मो न्न व क



नी वो य स्व व: सि न्त्रिं च्छा तु व ने ष ज ना स स्फ पं: ज्ञा न्ने व कु श्रा न म म मा घो ह न्ना स्त्र
य सां न च नु न्त द ज्ञा नु हु न न ई सैं यो द्वि व ए बो पं चो ना च्छि नं कु ज्ञा य त्रो इ ज्ञ य द ज्ञ
च्छा ज्ञा घं त स हु वो न ज्ञा य स्य कृ ष स्त्र श्च मा नु हु तं हु कु य स नो ना स्पा यं न का च्छा ज्ञा य
च्छो स्त न्न ज्ञा ज्ञ ह्म त्र प नि ष दं स्यो ई वें: श्र कु ब श्रो नि रां पं दो ना स यो द्वि त्रि पु वं नं मा नि
ज्ञ ई ई लं पु श्री मि छं न य श्रा ये स का र ती ई पु वा स्य पु त्रो ज्ञा य त च्चे स्तु च या द र प ना त्रि पु
लो नु हि का द श्रो म्भे त्रि पु ल्ला मा नो श्री स्तो त्रि पु प पु ष्टु श मी न क मी व द्वि व श्लि द रो ज्ञा ज्ञ
त स्प प श्र प ट त्र ने द्वि ज्ञा य नु विं त व मो ज्ञा गो न म न श्रा ज ने पं द्वि न ज्ञा न्न पु ज्ञ न व या
इ श्र ज्ञ द्वि स्या न र। पं व द्विं पे च स्त्रा ई ९ पौ न ज्ञा ४ ज्ञ स ह्मो ना च्छु न न हृ श्री प चो न ना क
ने त्रि पु वं ते व र मा ज्ञ य स्ते रा ज्ञ श्री द श व र श: ज्ञा त्रो द्वि प दं न रा ष वं नि पु श्री स्पा पु कें
व ने मि का द शो प त्र द्र स्ता नि का व्या र त्रि नो पि श्र व ता न व ज्ञो त मो रा हु ज ज्ञो ग्रा य व कु
है

Indira Gandhi National Centre for the Arts

नो स्यां नासा गी का य त्रिक्षि का व सि रूद रान्नेपं ब शु व प्रो नाणाय श्रेत्तादे वीि
गुभ रमा वा न व सन्नु पुवादि य त्रि क्षि रूपयो पं र गो स्यौ व त्रा प त ६ रि श्च रस्तो
या व र्म ज हां स्था व धा त्रि स्त्र पाद्यूं मा वा व्यां का स्का के पा द नि च थ शु त्रि पुष्प ३ ६ का वा
त्रिनो य क्षो व म न ह नादि र ए ए स्यू न आ ग्ने यं त्रिपु र ता ह पी पो ल हिरो ने द स्त
दे शे ना र ए ता त्रि स्त्रि द्र द गा न्नि ने न व न्द्र रे त्रि पु त्तो कुम स्प द ग्र सादि ज न य
ना अ गा चा या च लिं गो कदि व त पा दा स्या पं: श्र वा विशालि: क ए का को ग श्री नं दि
श्रा सा य म्भू लि ष्टी म ई क पु पो यो नी नं पं वो ना मा रु नं द्वि गा य ज्य तु क स ध प द
श्र मा गा य ने ह हि शा मी शा लि ता स्य यं पं र हे लिंग न व दा मि त्रा यं न्न्रां न यो व
न स्रादि य त्रो गाय वं दि मं ह ष द गो पि ली के दु जा य न व रां ई त ला पा मो न व द

२ का एव

ली वा य स्व व: सि गां य्यां नु व त्र व न ना प्र स्क पं वं त्रान्ने य उ आ न य मा यो द वो न
व सा व य मुग्ने द शा नु ह न न इ सौं यो द्वि व ए षो पं चो ना क्षि नं कु गा य त्रो उ आ य द गा
शा गा थं त स द्व नो ज गा व स्य रू ष स्तु अ मा नु ह्रु तं द्रु द्य स त्तो ना सा यं न का गा य
द्योत स नो गा गा धू उ प मिय द्ध यो ई वे: भ त्तु व श्री नि यं पं वो ना स यो द्वि त्रिदु ब नं मा गि
गा द द उ ल पु त्रा मि छं न त्य आ पे स व ष तो ड पु ता स्तु त्रो जा प त यो स्तु व य द शु स त्रिदु
लो नु श्री का द श ल्मे त्रिशु ला ना नो ने त्रो त्रि पु पश्यु श मी न व मी य दि व ष्टि द रो ज ग
त स्थि प श्न प ह त्र ने द्वि क्षा य नू चिं त व मो ना गो न म श्राजे त यं दि व त्रा त्र ह ब व ध
इ स य त्रा द्वि स्वा न रो यं व द्धि प चा स्ता इ ह ने न अ मा प्र स प्रो ना त्र न व इ प्रो पं चो न का कि
ने द्वि ह्व व ते व र गा त्र य म रा ता स्या द श व रा श गः शा को द्विप द न इ ष व नि दु श्री त्रि पु को
व नेि म का द शो प अ द स्ता नि का या र क्षि नो पि ष वं ता न व गो त मो रा ६ इ ज गा गा य त्र तु
है

Indira Gandhi National Centre for the Arts

कसान्निसा गायत्रं तु हि र ण्यके शो द्धदशको न्त सोत्ते शुक्लो
नुष त्यं बकाले कशा न्निसा गाय [illegible] प्रा [illegible] पाइ हि पइ तोन बो पो शुष ड्डु [illegible]
[illegible] प्रवेत्ति गो बाम [illegible] नाय्ये अापा [illegible] पा ड्डू [illegible] गायत्र [illegible] त्रिष्टु [illegible]
नि [illegible] साविवि शति: [illegible] तुड्ड [illegible] कि दपं कु [illegible] सा गाय्त्रे [illegible]
[illegible] हवं [illegible] ति [illegible] दाव [illegible] पं [illegible]
वि [illegible] रा [illegible] र्थप [illegible] नुष्टु [illegible] नत्वथि का [illegible] र्थप [illegible]
[illegible] विराट्‌ [illegible] नुष्टुं [illegible] आस्थि का [illegible]
[illegible] ट [illegible] नाग [illegible] त्रिष्टु [illegible]
वा [illegible] दर्श [illegible] वतायद्वय। ६॥
[illegible] त्रिष्टुबंत प्रवोदिवा [illegible] दमप [illegible] शु [illegible] गाय
वा [illegible] कद [illegible] साय [illegible]

नु

त्र वि श्वान र स्प [illegible] तीयमा त वे दशाह [illegible] एका आन वद [illegible] ते त द दी [illegible] कन्ह [illegible] नि [illegible]
द स्र मे न कश्यपा [illegible] नाचा [illegible] सह देव [illegible] यमान सुरा यत्नः ब्रम
दिन एकादश अ स [illegible] चि स्रुबंत मा पाग न स्त्रा वि एकपनिषदि [illegible] त्रिष्टु [illegible]
[illegible] यो नि र्नव [illegible] एको ना [illegible] तो वा [illegible] त्रिष्टु बंत [illegible]
नी [illegible] ती [illegible] मि त्रं [illegible] त्रि ष्टु बंत [illegible]
[illegible] गंड विद्य [illegible] नवा नें [illegible] पंच [illegible]
[illegible] त्रिष्टु बी [illegible] न मा [illegible]
[illegible] त्रि ष्टु [illegible] वितीयोई चो [illegible] मा एकादश
[illegible] त्रिष्टु बं त चि [illegible] साय का [illegible]
[illegible] त्रिष्टुबंत चि [illegible] वार [illegible] एकादशा वार [illegible]
[illegible] स्रुत प्राष्ठि नें [illegible] वार [illegible]
नो [illegible]

Indira Gandhi National Centre for the Arts

ज्ञानाशन्यां राजा तत्रोदितो पावकजा च
पुजतं कारादद्यकादशां कडुत्यप्रनाशन्यां प्रीतम्पिका पं च मीनदु शिराप अन्हा रेक
ती रागवतु श्योवतानिरात्तं श्रम्यपिदा पंच मीतनु शिरापश्चाद्दावेक
क्षितिश्वश्चरहती वातिविरात्रि रोत्रा ग्राहस्त्रा. कादिशा पंचोना केवदे
वंबाकप्रवा तिन्द्दे देवना केविरा द्वे विश्व घृ:न शोनो बसंह पा ऊ वंत्रीभ्य
नावसमग्र स्त्र नय नगान्तु नि मप्रगा खगा उमंदल्तिनि कलो वा धान
क्षः पंचु तिनावियवतु समांवां मीनं तु तलि प्राप्च ख्यवेत मसा प्राई प का
दी मत्या याग्नि नेकादश पुरं स्नारे यो दानि प ठिय नु भाहके प रावे मा थ हेव
नि भूतिः धुर्मा य आयत्नाशि सु न क पा ल राय ङ्गि शवेनि ठक यदि थ्यां पेद्द दाद
दशां या त्रिंद्धे ज्याम म समर्व ता पे वन मिश पावर्ते नैदवैत्ने न प्राप्ता वि पूर्ति ७॥
श्वः रायवी भूनिराज्ञा स्पद्र प वेंद्रे याग्निनीलों जवं वद्वयी धाः नं निया ज्ञा

पायेश्य ही प्रस्तु ससामि त्राव क फल वंधे सिंगो रुद्र देवले चेत्या विश्व पाश्कु
मत्त्व मतिरा कर्रप्रप्रतुष्कं त्याश मस्कु श्याप जे वा दशा वे स्व देवो मि त्यावृफ
त्युक्कि भिन्न स्निग्ध गंजा नय्यी मारु लिं ग्राणी बाहु स्पर्चा विष्णु दे वीशा चिह्न पंचमी
कलो विष्णुदेवं ने तदेव मन्त्रासा नपिसूत्र प्रयोग विश्व देवधं स्य फलेन दप्रयो गाथ गिं गंसोदे
कलो नैरि पादसता नारी श्वेत माओ चंशू या अधेय हवि त्रिष्टुब्व तंतु त्रिष्टुप्रगमीवा बलि
म मिइ श्रा प्रिय मानुपुं नं मं त्यें ही ज तत्वासी मप्ता वा ज्ञेय पं श्रुत त्रिष्टुबं न ते लि
प्रसन्न जागततं प्रक्षत पं सां धा त्रिष्टुप् छिन्नई नक खा नथी धन्म दः सविरजं पुरु
षः व मित्रां द्वं मिश्रं नवानि त्राव रुणं हिं ना गा मैतं प्रा धा युवं सप्त पजा मव्व
उष्कं विश्वाः षद्धि वहि ग्रहणं विरच्युघस्य यो नव पंचा बोध विघ लान्त्रिन
वंधे त्रिष्टु जो १० वस्तु पंया नुस्तुप्स्था वा पं बधा वाहयि वीप जा गत जो



Indira Gandhi National Centre for the Arts

दि कि मु [illegible] श्च: [illegible] ना तेवं त्रि दुबं तं [illegible] नो घ वि का [illegible] स्तु नि [illegible] टती पाप
[illegible] गच्छा वदक्रेदा म मा नास्त्व छिपं [illegible] स्तवं येत [illegible] शया [illegible] पनश्च
[illegible] नि वा [illegible] ग्रा [illegible] नकमो [illegible] रशपाउ वंचवादे सा [illegible]
[illegible] सत्वा [illegible] गता [illegible] ग्रा तितिजग [illegible] तदंतं [illegible]
[illegible] यश्च [illegible] स [illegible] पो ठरं मा [illegible] पृ [illegible]
[illegible] सकु [illegible] ति वा [illegible] मु [illegible]
[illegible] कि लि [illegible] [illegible] यत्रि: [illegible]
[illegible] मिश्र [illegible] नि स व पर सं [illegible]
[illegible] कोशिन [illegible] [illegible] पर्जन्या [illegible]
[illegible] स्वा [illegible] ना सं [illegible] नरूना टती
ब [illegible] वा कु या [illegible] कादरीचम
या घ युग नक नां वा [illegible] मे य [illegible]

वा

[illegible] दा दव ता [illegible] नारू नंदि छि त्रि दुबं नं [illegible] यादी [illegible]
[illegible] वंशीम [illegible] रस्तेद [illegible] नी यर [illegible] नेरेतोपत ससता [illegible]
[illegible] चि त्रि दुबं तम [illegible] छि ती पा वि [illegible]
[illegible] पेकाद [illegible] यो: सं वाद [illegible]
[illegible] वा ग [illegible] मरूना [illegible] नु दुन: प्रतिव: [illegible]
[illegible] नामरू चतीसा [illegible] यत्र [illegible] सोना [illegible] दशाद
[illegible] नु दुबं तं त्रि दुबं तं [illegible] नक्षिन [illegible] प्रा: [illegible]
3) [illegible] लानु दुबं त्रि दुबं तं [illegible] स्वस्त [illegible] यकं सं वाद [illegible]
[illegible] यप चोलीपा [illegible] पक्रवो दे [illegible] विकृ [illegible]
[illegible] तेवा नी [illegible] सा यं [illegible]



Indira Gandhi National Centre for the Arts

[illegible] हिंदमु [illegible] ष्ठं [illegible] छा [illegible] तं दुंजा [illegible] नालां [illegible] नारे [illegible]
[illegible] वाप स्थि वीय मानोत्ति [illegible] न स्तु तिगां [illegible] चा [illegible] नो दिला
[illegible] स्या घ्रा [illegible] निस्ता नुं [illegible] नों च्याव [illegible] तीवासमिद [illegible] थिया [illegible]
[illegible] य मनवां णं [illegible] सा [illegible] निपत्तानु [illegible] सौ यै [illegible]
[illegible] गास्वी [illegible] घ्यादा [illegible] महा [illegible] [illegible]
न [illegible] [illegible] नवस [illegible] हिली [illegible]
[illegible] नत्ना ना सोमिदु [illegible] दसा [illegible] दु [illegible] सा [illegible]
[illegible] ता ता धा वालु [illegible] तमिलां [illegible] निवा था [illegible] लिते ०
तो हो त्रः श्रु [illegible] विराह स्कान हनेंत्या [illegible] पंचोन [illegible] सप्ताना [illegible]

[illegible] वो छा रशा अघदमा अचोन [illegible] त्रिशु [illegible] वि [illegible] तेंसात [illegible] पा
[illegible] वयं तेस नो [illegible] पा वि [illegible] ते [illegible] घ्या [illegible]
[illegible] जात्र [illegible] नाग [illegible] स्व [illegible] स्व [illegible] लिंजा [illegible]
[illegible] त्रि [illegible] शो [illegible] त्रिशु [illegible] दशी [illegible] गतें [illegible]
[illegible] मिना [illegible] मय [illegible] शावा [illegible]
[illegible] नोमी सरस्वति [illegible] सारस्वती [illegible]
[illegible] सामा [illegible] देवं त्रि [illegible] वंत [illegible]
[illegible] नि [illegible] चा [illegible] वा [illegible] राका लिनी वा [illegible]
[illegible] वत धावा [illegible] रा [illegible] त्रिशुवत [illegible] नफोन त्रिपंच [illegible]
[illegible] दवता ते पंचोनानि [illegible] १५ नंदस्यां [illegible] का दशा [illegible] त्रं [illegible] वा [illegible]
[illegible] तत्वोत्ता गतंतु १५ नंदस्यां [illegible]

Indira Gandhi National Centre for the Arts

सा ला स रता पइ रहि मा कि म मं ष्टो हैवी प्प दिते चो दुसिका गाय रुकु भादेल ता
प रु गो ला लक्षु र चें खि रुदा घवी का का र खि को प स्वे चा हा दि हो ला चा र ती [illegible]
का के दो खिल म नु प्रा जी इ ह ली च कलि क र हीं म दा हि लि ज्ञा जात म थे ति रु कुर्य छि दे
ता ना मृ षि र व लि वा म्य त्या ने जा कुं तं नु षा व कु रि का स्वु दी रा चि रि इ नु जा कुत्र लि छे
प्रा ति र दें च ना य त प्पे द एव मा धी तु च्चा ठ इ गाँ धि लो वि सा नि क [illegible]
२ प्र ला तु रव सो त त व स्य वि का वि स्वा न नर यं वे का वि म्वा न री दे उ ला गत [illegible]
न तु र व सो ल ब ल व वि का वि स्वा न ज य घ [illegible]
न दौ क दरा म लि अ लि दा ति या न घ लि ज त का र व इ स्मा ले रु याजस्य [illegible]
लि पा ते व्रव मे ग र. अ थं तं लि त व स्तु लि चु ध्या या लि वें ह ले दा अहि त्या ह मी ति १०
म्ह ह्वी वा र ली या स ह स्पा दि नु दु ला स या वा न व का ते ति पु स ले का म म के भ
लि ह पन्ति हो ल गा य श्रे वि ला नी पु रा स्वे उ वः ५ हू रु च न स्वा ने दु न पा हे

या म ल ञा म : प च क ला ति
ता नि का रु स्या का खो की ज स्व व न नि: घ प्र ग गा श्रे स लि [illegible] दे व्या वि ते ज
म्या कि रु स्कु न का को ग्नि हो त इं गा थी ला ग्नि मु ष स मा धं तं वि मु [illegible] ध्या न वि
व वा चि नु छु लो बि रा इ प स तो ह ह ती वो ला पं स व पा या नु डु पु री छे ना [illegible]
को लि लो च्छि ता दे व स्त्र वा दि व ला ल अ न्या र ला रु ती था स ता ह ए य वे सु स्वा
रु क खा या नु दु व गे दि वो व रा ज नु पं च्या मे तं ट्टी वि सा न रं न व र वो कि
री थु ला स्वा ता जा ता लि हु व च्च ला स्तु नि वी स्वी ल जी ता त्वो पा ध्या व स्तु
अ वा थे वो ला ल य त्र व न व्या वा पा स्र नु य स्व घ इ ती या का लि कि इ ६ भा
को स्त्री द को ल श्रा पा स ठ थी द ला तो ह्वा द इ पो नु इन. प द्यो को रु
पां ते ज न घः पं स ह वि स्पो वा। ७२ ठ ति र कि वि क इ श्रा स का री पो वि



Indira Gandhi National Centre for the Arts

स्या नि [illegible] व वाह्यनैद लोमं [illegible] नि पर्वतानां समानो [illegible] नदी
नितिथा मिनस्पाति तीरिर्षो स्यात्रनदीना कोचनथ्यी व ष्प ष्टमीदशन्ता षष्ठी
सप्तम्यो [illegible] स्तु तिरथ्यानुष्टुविंशः स्नि दिका दशतिश्रा ६ रोड नाम्नह पांक्तो
रोपद्यसा मि निर्दि हेतु स्पमाने तिश्रूय ते काय ह्याह्य गायत्रमं चानुष्टु बाति तद्देव
दजाजापतिः सवि श्वानि जो वाष्पा वाह्वा वा लि नाविका पीडं स तिसेवा ।११। इस्या जाय
[illegible] तरु पर्नानां प्य छ्या दयते पंच बार्हतं वा मदेयुअ स्पम क जा न सचो हरा साम
दानिदुः स्वा हाद्वर्षं ती च तं धार शांशां त्यो स्त जो जागत गायत्रि अनावंनमश्रा
सकीजें गायत्र बण्मीमगती द्वापदे नाजउ विंशति रा धंदा पदेती पंचदश्ना दि द्वेवा
द्वेस मनपीर्षे सतस्त्रो रथ्याज स्तु तपों सा अत्रिरापा स्ना वस्ति छ द्वेधि त्या नव ।१२।

सिष्या: स्यएंवतीदशमी काल श्रेको ऊगस्या त्रयोदशी गायत्री द्वादशी विंशी द्या वि रयोनुष्टु
सिष्या: स्यएवंतीदशमी त्रा नश्रेको जगत्यात्रयोदशी गायत्री द्वाद शी विंशी द्या विंशी अनुष्टु ।१
नो [illegible] र्थी हतती नेनं घ चिकां त जा त प्रजापति हि विश्वदेवै होत्रस: ।१९। नाह्ना प्रम
ष ट्वे नुर्ध या ध्विनं ति त्रो मे तां नटुर्थी गौ यज्ञ तमिहर्ह सक्षा नीवं जागत दशों ये दश्राष
उपस्ता नि मार्निरा व रुणा वाहे स्पय पो स्र मा विच स्ता स्प मे जाब फ णा स्वसा स्वंयोऽ
३ वृ ४ नदत्ता पंक्ति वाय त्र यर्ग धा गा ग्रस्त्रो वा मदेवो गोतमः स्त्र उष्णि नड जन मर सप चौ छन्ने विंश
म्ना तिरश्च तिजगती चैत य ख्राघा कपाधा स्ततस्त्रो वारुण वायो मन्त्री प्रानः बोलशाधा रोडी
तनुष्टु पंचानां त्राह्नो दुं ।२०। विश्वानरा य विश्वानरो पं न्टूट् ओ त्र कादशा यमि हादो जगतीपं
० यानुष्टु नोहतं वो ष्टो गा यवं व न्न पृजन्ने तना पपदां द्वं पंच मीना पद पंक्ति रथ्या द्विको त्र
यी ष ष्प पांथ्या वास हा म्याः पं च का मु ख्यो ततीयः स हतो नवक श्वा घम्याः पचकः

वे३          ६२

पादः स्पृष्ठः अनुष्टुभस्त्रैष्टुभश्च नं पञ्चपङ्क्तयः पंचलिंगो मादेवतो चैकैकश्चग्नि
गन्निर्हो तादशा गायत्रमृजि बो वदि यान्यो सोमकं सादि व्य मन्त्रवदप रात्यानस्या
ग्निना वायुरपा सेना सचः स्तिकें इ चं म दौश्च स्तिद्यान कूपदा पवं चास्त शा नाद्
वादश्रादि निवानदवानो। २१ एवेकादशान आयातं यन्तः कचो प्रं त्यास्तित्रनदेवो वा
का स्तुति रूपान्यानुष्टुप्को प्रधा ष्टा वहन नुस्त माधा। त्रिस्ति स्निरिदमिका मान मृषि स्तुष्टा
वं द्रोत्यामान परा वा ह्रोवा रेपन स्तुति गीर्ष नुपं सं याशक्तरीवा युऊं रासो मंवान स्तुता नंक
सप्तविंशति र्दिव श्चिहेङ्ग उपस्य सुगायत्रं स्पष्टं म्यंत न्धनुष्टुप्तो कया पंचा नानी शपाद
नि चदा रून सप्तविंशतिरं च्यान्यामिं द्रा ह्नेः स्तुता।२२ करुतुम्य एकादशानो वे वास्तुविं
न्वे हा पन वान स्त्रां त्या त्रिष्टुबु घनो शे च उ नुष्टुबंत नुता हिदशा दधिर्क्रिं दि धावाद्द १२।

ऋ३

ऋ।२

थि स्याधाश्चेषलं त्यानुष्टुह्विपक्ताकः पंचचन स्त्रों याज गत्यां त्यासारी ज्ञाकाका म
कादशांका वरुणं उम मध्विना दशानस्त दम्भु। त्या रूक स्पः बजा घो त्वसें नोकः
क उत्र वमस्रउरु माक्रातुमो ज्ञातासा हात्राया म्धिनहि तेमाम यथा नि टुर्दमे
न नेना यव्याधि त्र वायवं उगायत्रं वायो चेउ ष्कं माघा वायच्छ उष्ट नेतु विदि
नवदा पद्यनि दवी बोलं द्या साई स्यत्तं गायत्रं धस्ता स्त्रते कादशा बाई स्पत्य
नेत्य ऐ श्रो चा पी न्याजागती। २२ इदमु वच्चे उष्णेष्पा। सज्ञ गाय त्रीनं उ त्रंन
द्द वस्य साविनं उजा गन म न्त्राहृत्तः षडिर्हु बनं को वा दश विश्वदेवत्रि
गायत्रीनं उ महा मानया वा द्यिधवी रे त्रयस्या द्यौति स्रः रूत्रपत्पाः उना
त्पे कापराउर उष्णिक्रया त्या वक्षनो सो रा त्रा अनुपां त्म स्तीनाय तेयानु

यं२

Indira Gandhi National Centre for the Arts

कुन्नानाघासजाथ्येचमघु इदेकादशाग्रेपं ऊगत्यंतंस्तोयैद्यापंतागर्भवाद्यतस्तुतिवति
मोत्रिस्तोनोत्रिः पंचमेमं ऽजेनुक्तगोत्रमात्रेविद्यायं क्तोतस्यचस्कन्दस्यशोचमानुदुत्तम
बोधिघादशबुधगाविश्विरोऊनामंऊमारोदृशोवाऊानउक्तोवाशकर्यैतक्रविष्यिचोदृश
एवचमग्नवस्तुक्रते वामनदक्षदशस्तुमनिद्रायाप्रंगायत्रमनि शापांकृमरवाइषः
पञ्च्यंतंवामनेमसनऊगतो२४॥ ।वानान्न गयोत्यापंचोमोदंकी-प्रगनजीजेश्रम
च्या सथ्येंद्वेचऊनस्यपद्युतंनमोऊगतं प्राग्नयेर्वेनोगायत्रंचान्निस्तोमेनप्रवेद
सेदंबागिरसोधक्तोहृदन्मूकत्यंतं स्तोयिहिः प्रातमक्तवाहाद्वितोन्यवस्त्रा
वत्रिगोधवानुष्टुत्तोविराड्रूपायमस्त्रेवतुर्थसप्तस्त्वंतःपंक्तंनंहमनुष्यसमः१२॥
गविन्धसामन्विन्धस्तामाग्नेघक्तोविश्वचर्षणिरग्नेचंगोपायनातिदायनाम

आ१

बंधुःसुबंधुःश्रुतबंधुर्विप्रबंधुश्चकओदिहृदमघोवोनवस्कायवानुदुत्तमनेगायेरेम
घालिंजोलदेवतानस्त्वाषाड्रहक्षिप्रोक्तस्योद्वौच्यरुणजुस्तदस्पूराजानोजा
गतस्यास्पमेकेवाक्तोस्तोनुष्टुत्तोनामानिनेदशादितिसर्वाश्वत्रेकेचिदंचैद्राग्नीस
निदोविश्ववासात्रेयोत्रिष्टुबुजातीत्रिष्टुबनुष्टुबाप्यस्त्रोस्यप्रमापंचोनागोरिवीतिः
शाक्त्यरैन्द्रमुशनायदोशनसोवापादःक्रस्यवक्तरोगावयाप्यचराऊस्तुतंइन्द्रो
रघावसन्नोनावस्यमन्यमितिकोस्योशनसोवापादोपरैडाकोस्थेदंदेवी
शजातु।२५मदिदशाप्राऊपन्यःस्वरणाऊातशाकुंनवत्रिष्टुबंतंयस्तोष्टाप्रस्तु
वस्तुसांगिरस्तःपंक्तंनेसगमत्थिचनीयाजगतीसंचानुनापंचाचिक्तरोगा
नुष्टुजंयदिंदपंक्तंतमाराद्विनवक्तक्षिगाधंस्यानुष्टुमयोन्द्रवास्तासोरीत

श्रू

Indira Gandhi National Centre for the Arts

इदीति ह सखुतिः कर्मणादत्ति दैवानिव कोनु विंशतिर्विश्वदेवं विततो लसपाघ
तिऊगत्यावंच्ये कपदास शंतमा छूनै कादशी [illegible] येन वः स्मृ लि नयो कपांचे
कपदानंदन यापं चोना काश्यपो वस्या रा न्येव रूपयो य ६ शलिंगाद्वि त्रिष्टुबंत
विदा एकादश सदा इणो ६ यो श्री प्रति दवों दृ चो देव पत्नी स्त वो याचि पद्धि ता यो र
च।२६ प्र पुरू ऊतीसम प्र तिरवः कदुपंचप्र तिनानु जीगतदेवः प्रतिप्र तो या
द णपाणि विश्वस्य च स्त्या त्रेयः प नम्नं तमग्निपं चोना च तस्रो गायत्र्यः प्रत्नुष्ठि
दृक्ति सोऊगत्य स्त्रिष्टु तो वा न्य न्नुष्टु न्तो प्र श्या वाश्च सूना रह वा न्यो मा
न इतनपंक्तिः षष्ठीं न्यैव को वेदपो लश कः ष्टेहत्स तुष्टु प्पुरस्ता कऊ मतो ।१४।।
दृह ती गायत्री सतो दृह नी ककुम्मो गायत्री सतो दृहत्यो ककुम्मतो इ हती



[illegible] दैयपंचो नाजागत त्रुपा त्या त्रिष्टु प्च यजपा वा न द यो या त्रिष्टुन
[illegible] वथा दैव त्री या सन सूक्त सतो हत्या ना दऊ सो यो द्वि त्रिष्टुवं
तंत मध्व वा त्रिष्टुवं तमी सिद्धि जज यं नमा प्र यचवा कर्छि चेत नागाय
[illegible] श्यावाश्वो च न्विद द्वी न य न ऊ दसी को वा द्र रयवी तिंग दन [illegible]
[illegible] न ऊ ष्टः प्र ष्ठा शंसतु [illegible] त न रे त [illegible] यसीप च भ्यनुष्टु प्स व मी
स्तो इहतु लेन न व स्तत यिमि [illegible] नतो।२२ रुतस्य स प्रार्वको
[illegible] गत्वेव मणं पंक्तं ने त्र स [illegible] त व न्या न त्वा प्रा चिकि तो ना नुष्टुबन्तं
शं ईत [illegible]

Indira Gandhi National Centre for the Arts

त्रव लिखि दं स एजन दवेगाय वं वीसे वला व उर्क्क सुरुव क्लि त्रुम्ह द गागा
प वं वीम ल वेवाडुह ल श्रानि व आक्षि हेय द प दस्ना पो सौं श्वि नंत दानुझु नेतु
क कुत्रलिनबा व सु: पो कें मा नाति पं नालि जान पो का ला श्वि नो न वस ब व
श्रिस्य श्रि गादि च उ यी वि इ प्प गनु झुले ता: पवन र्त स्नावि एक्नु प नि सक्क हे
दं स य श्र कानु ष स्पेउ पां तं ध न पन्मा न ष डंकु पुै जने पं व श ए वाश्वः लालि वं
कु का म व वैलम यि र्वे र्नि त गा घ र मा घा नु हु व ब द श्रा त्रि: दाउर्न्यं भ्रपीं ता स्त्रि स्रा
त गयः उ पा चा नुहु झु वि का र ने गौ यविमा न हु नं डासंमाडे एष्ठो वा करी लिं १४॥
दा प्री वा ले स र्यमा नु हुत्तं वि स हु ती ते ज वो ना न्नि व यः न दन्ना दन न निता

ज ता वा दि स्व नो न र का उ: ष क्षु न उ ल म प श पं वं ख पे न सो ना र ह हं से कद
ना नु हुनं शा क्ष र्द ल म ग्रे हो ब या हे न र्दु वि स प्र ज न प सा म्ह दी नं वि सा न री
र्च हि क्रि ल गयं नं पूह स्नो याचि हु ब ह्य पु रो वा डि प दां ते य उस्व ह रा म ख
श्रा ४ श्री द्विषा गा या नु हुनं शा कुर्य त मि म म्ह्य ले ना वी न ह द सी षि वी तो ति स सा
श्रा ल सी या पं र द स्पो श कु यो षु झति हा क्ष पैं तुहु हु स्वा नु पां यि क म सो
झ स गारि सा अ वर्चं ई मा ना गा ष सी व न पत विशप ल हु त्रि ष्व वैं न ये र हु
ति व पं ते नें इ त्रि हु व ह्लि प दां तं त मु हु द सां न्के सो ना छा नं वि प वर्ति श्रि
लि ना न छा द श न न म्य का द र पो वि न्ध दे वि पो य ए क ए का द श हु त रे



Indira Gandhi National Centre for the Arts

दशा [illegible] कयाते नवकृ विनि शेविनस्पां कौ गायत्रं [illegible] वार्हिनोदा
न स्तुति [illegible] नो लक्षिली से [illegible] न्यं पारो याकुष्ठुभ [illegible] नरस्य तो दि
[illegible] २० ३ ईम क्रूपं वा [illegible] स्सेस्यु च्यु थीश क य स्वयि
[illegible] न्त तोज्जु सम [illegible] स्यु सत्रा यीगणा नां दस्यं द यि वा
१२ क्षा [illegible] यत सं पत्र क्रमानुष्ठुन इया तं यस्य नि दे वा य यिव [illegible]
[illegible] याति: गयु ओ ईप्सती ता दिवना अदृप्का कर्ष्यवि राजी न आ
ववा सोमस्य आ न म [illegible] से शाकाय कं प्र स्तुतम मति वृ द्या नुष्टुप् १६॥
ते सह ष्टु स्त: सा दि वत का नि द्वि पदा नामा गत्री स्या द्रो कार्ष्टु

---

[illegible] नासो म्या ग यून्य हू वी सि गो क देवता: [illegible] को क हांते त्रिष्टुप् ष्टु न्नुषा
[illegible] हिरण्य सा अ यस्य प्रस्तोः क न्म तन स्तुति: पारी ष्ट वा र घर्ड दुनि
[illegible] विड दो ओं ई यों युजा नो वृहती त्रिष्टुप् आदि द्विपदा दिवस्य: चि या
[illegible] य यश पशा अ वि का नेषु स्तुण पा ति के द्दष्टि स्य क्षेत्र गा यो ह [illegible]
म [illegible] वृहती म हा वा ई नुआ ई त्ताम जा या विना द्र [illegible] क जना [illegible] गाय
[illegible] अ स्व ह यत्तिक जगती ना क [illegible] सि [illegible] पादि गो को देवता: [illegible]
ज गाय: प्र स्तु न्नि वृहती त्रिप्दा [illegible] वृहती म हा [illegible] यवस म्यनुष्टुप्
त्य या वा [illegible] नल्या वीदृष्ट वी सुप्र [illegible] ना रा जिस्य हा वि [illegible] देवं ह [illegible] ते द्वे


Indira Gandhi National Centre for the Arts

ना कुरस्तो वत्स क्ति नाहि तु वे ... मन्या ... अब दे
गो सजनी ... सुन तर... ... स्वने ने ...
... व य ( शोफि वो न ... द्य य ना ... ना ऽ तु सं ... ने ...
... मा ... शुवि ... ज ... बजु ... नी ... 
वा ... नुर्द्व ... सर्व ... ... हुवा ... 
ते ... कि ... ना ना ... नी ... ॥
... नर्वर कानु ... तना ... वस्तु ... ७॥
... ... दर ... विष्णु ... 

७४

... तुपं ... घो सवा ... विज्ञाव ... वं घृनवतीष ... 
रवि ... सु ... साखि त्रं त्रिं हुवं न । भि द सोमा यं विद्र ... 
कृ सयं बाहुस्य त्वं सोमाक्र दा व ... सोमारो ऽ जी नूत स्ये वि को ना
पायुनीरवा ऽ सं ... मा ... न्य दों नित्त ष्टा ववर्म ... नानीह
पुखि ऽ ... ग य ... सा ... मद्दि रश्मी न ... यर य गोपा ऽ गच्छं ते गो
कृ देवता घा ... मि ... तो ... स्त ... घा ... नि ... 
कृ देवता ... हु ... जीन ... नि व देवे ... 
वा मि ष्टा प्र ... पना ... वि ... ता ... ॥ ३ ॥ नु ... स्वै ... ष्ट ...

Indira Gandhi National Centre for the Arts

इम मिमीवादशपदाः आग्नेयन वैश्वानरी [illegible] ब्राजातम स प्रवो देव मि [illegible]
[illegible] पोन यै न म हान गन्नन्द प्रा [illegible] वैश्वानरी [illegible]
[illegible] नाम धेन्ना वो न दश [illegible] नव म [illegible]
[illegible] हपञ्चा त्रिके ऽ स्मुदा [illegible] कोदा न स्तुलिपं मि [illegible]
[illegible] एकाद शा [illegible] विधि [illegible] विराज [illegible]
[illegible] न गे [illegible] ध्यो दाद श गायत्री त्रिविश
[illegible] गायत्री [illegible] सौर [illegible] प्रा द्वि प
[illegible] शाक्ति [illegible] गाय नाने न मो [illegible] त्रि [illegible] १८॥
[illegible] यते ति चा [illegible] न कं वाम [illegible] व हस्तुष्ट [illegible] मितितां ऽ कं

के२

[illegible] प्रकृता [illegible] वनि [illegible] सौ [illegible] बृहस्पत्यो [illegible] स्तं वा [illegible] च
[illegible] विश्वेदेवं [illegible] एकाविंशतिर्द्विपदा [illegible] नदे [illegible] तरो [illegible]
[illegible] पं वो ना शांति [illegible] सावि [illegible] मं [illegible]
[illegible] गायत्री [illegible] विश्वे देवं [illegible] प्रति [illegible]
[illegible] बृहस्पा [illegible] दक्षि [illegible]
[illegible] देव ना [illegible] ति बृहतं ता [illegible]
[illegible] यानी [illegible] ष्टादि [illegible] अग्ना [illegible]
[illegible] पृथिवी [illegible] वास्तोष्पत्या [illegible]
मं [illegible] विश्वाद [illegible] आप [illegible] विश्वादेवी नदी [illegible]

Indira Gandhi National Centre for the Arts

प्रनी श पा स्म वि सा ई फ लम रमो नुदु नः प्र स्थानि पू उप नि पनाई पेक
कि म्या मा फल लल्हा हस्तो द शौथि प दा नु धःस न क्रमे ला कै [illegible] यं गा प ई कद
गु कि ध म प्रादि न व न्या वा गा य च्यो न्या नु हु औ री मून्फ लि गि वर्नीक
नस प नि सो न कृ मा गु विं क्रै खी वी धीं स को सूधः पैला वा लि फा की यं
न हली नि वाईं प व नादि लि पं वध निकां प्रनि न हे रे को नाना स्व ल व गाथा द
शु ष्यात द य स्म य. अनाराः कृरग लि कु का वीं सं दिस्या दि न्हा ति फ मौ
दु [illegible] न लि वां द आन्हिनें भुन त न नो न वजा घापि रा वा क्षा वीं रक्षा सूत्र शिं
वि वा रा स भा पय च सः प्रफ [illegible] मतो पने गालि भेजा भवी व खा गाय ऋषा नू
ग्रा त ध न्यं ड जा उ दु न मां पा स फ नि प भु नि प वध पा प्रति रू वा र ३॥

ठौ या ४



अस्य पर घृता नयेनि प्रा वक् ण दशो डा वढ़ प णे दमा गन इ यू वान रा वां पेव भूनीवे
थी रा हो ना दणे स र द मे नप्रकं भ व ने ना प न वि नि वली गंतु वंच गा वदे
ग त्यं ते प्र वी र या स भावा व वां क्षि संयं या दि व ड का क वि द गा वा वा पे व शोवि
च्छा ते प्र ग्रं यि प वा का द श गा य त्रे मे न्या तु हु ग्र का द स्ना ष श्रा र स्वने
कु न नी था म र स्थो ने ह्वं द दु न मा यौं. अस्मार पं नि. प नि सि मी गा न त्र
र स्य ने व को द शौ इ वि वा ह स न म चो डी रह नी या न व स्मा वि डा वा छा ज
नैं ध र्वि: स सो म देव ता ला. र नो वि ला वे का म नि नि डा स्य लि स्मा न जा
व्रु नि स्त: ब ध्या जं यं ज्ञ प ड निा ना च जं गा पूर्व मे ले जु मा र वा जे यां परस्य
४ मि ट स्व का हृष्टि का म स्त्व क्रर ध्या ए जो र सुनि: स हृ ष्ट्या र्ने दुःस्य

श्रा ि

Indira Gandhi National Centre for the Arts

[illegible]
भवा घा जगत्यक विंशी त्रयो विंशिमत्वा द्वादशीमा दशीत दशमी चतुर्दश्यपावा ग्रेयो
दिव्यका दवपं त्यानुष्टुभ् नवमी द्वादशी त्रयोदशी स्तोत्यः सप्तदशी ग्रा षष्ठमी
त्रातत्या विंशो प्रवर्त्तीधे ति चतस्र रे ष्ट मानो र दे उष्ट हरात्मान त्यारी कतरो
द्वि विः पृथिव्यंतरिक्षादि वतः परगायत्रं त्राय सा त्रिय कुपि ध्यानु सा गो नं माञ्ज
मा का एको मा विंशत्रा स्थिरान्ते म त्रिभि रे ममति यो १ द्वा ते तं हि द्विगा यात्रा ४
द्वित्रिष्टुबेतं माधन्दुः जगा यो वस्प ग घोरः सत्त्रा तु कण्वं स पुत्र नाम
नसाया गिरा संगो यस्मी नू का पुमाजा नू सम ने ममति यदिदान दवासाहि २०॥
स्वाहीति नत स्त्रि साल्लोत् शा नपली ना स्ता गिरली शा धाती पुँ नमुपसर
१ ह्री २ गा [illegible] सान्यो रीति [illegible] प्राङ् मष्टमं मण्डलं मनव्य ८ प्र४

जैनं प्रीतां च यात्रा वेदं वा सो द्विपंचारिं शान्ते ममति थिरं गिरस्य स्त्रा प्रियमे वास्यो
दवो नुष्टुब् यास्यां मे मति थि विंनिदे दीनं तुष्टाव पिनवतु विंशति से ममति थिः
अगा यं च नुष्टुब् या यच्चो वृहती यां त्या कौरयाण स्य पाकस्था म्ना दा न स्तुति र्य
दिद्राम्त का ब्दवां तिथि स्तवों घ पुरत्र हिम गं तः उरु गम्य दान स्तुति स्त्रष्ट
वं त्रि नस्त्रः पो स्तोवा। २ इ॥ हृयादे कां दशा त्रयचत्वारिंशा बृहत्ता तिथिरा
गाथिने हि वृहत्य नुष्टुब्बे तें त्याः पं वाई च त्रिष्टुबस्य क शो द नस्तु तिमं हो इवो
धाव त्रा रिंशा द्व स्त त्रि वां च स्ति रिं दिरस्य पारशव्य स्य दा नस्तुतिः अपघ
चाङ्कि शत्पुनर्वसो मारु त मा न स्त्र वि का स्त धं पत त्राच्छि नं त्या नुष्टुनं चान्दनं
सौका शा शाक सोमे पे गा यत्र्या नु पा दे वा घा चतुर्थी षष्ठी चतुर्दश्या घे नवच्ह

Indira Gandhi National
Centre for the Arts

त्यः पंचमी ककुब्ध्वस्या द्यालिदु त्रिष्टुभि राद्भगत्यो पक्षः प्रथा गायत्री पश्यदु
द्वीत्रयोदश्या तिस्त्रनुष्टुप् आस्तार पंक्तिः प्रगाथस्त्वमग्नेद शावस्मार्के पगात्रै
द्यात्रिष्टु बाद्या प्रातिष्ठा पाद्यान्तई नाना ।४० यई दश त्रिशत्वं आ हिरिति
दश तेष्टु नावद्दो हिरिदं दे वानाजो ष्टुत्रा सुस्रस्तिानो का एवा यानानं
न्तुनिसप्तोनो न्नि ६ प्र सं त्राज घा दशोरिं विष्ठि रा या हिर्वं सो ना प्रगा
थों नं मिदं ६ द्य विका दितया मो। त्रि ६ त्रवनु ख्यां घा रिं ------ दितं तस्रो
र ष्टुन्याष्टि न्योप रानि सो ओ मि । आ नां तेग्ने इ प्र स त्रा यिं रा सो नरि
रा प्ते यं का उत्तः गा गा थं ६ रि वन । द्वि पदां त्ये कआर्थ्यी ने प्रसद स्तोद
न स्तु ति स्त न्नू वे ३ त्रि अस्त नो ष्टु हत्या वा दि स्पे तचाग त ब द्वि शतिमा
नि ३

पंक्षे प्रगाथ्याना भन्वस्य वाता।
६
रुतो ।४१ व य नु घू नां ले ह्व वे चित्र स्य दा न स्तु ति रो त्य मा श्विनं त्रि प्र गा था दिर
ष्ट हत्य नुष्टु बे का दश द्यो क उत्तम थों ज्यो तिं षी ई लि ष्व त्रिं श द्वि त्र म ना वि य ष्ट
ष्ट हत्य नुष्टु ब्वे का दशा घे कउत्तम
आग्नेय मो भि ह हस र खा य स्व वो त्य ः सो भा न्त स्य व रो दी न स्तु ति रं त्या नुष्टु
त्ता वां च तु विं शति र्नि त्रा व रु णं द श न्या घा स्ति स्रो विश्वदे व्य उ पां त्यो त्रिगा
र्भी यु वोः पं शा धि का ण्वो वा णि र स्य आ श्विनं विं श्या घा वा प र ता स्त न्न वी रु
व्य । त स्रो गा य त्र्यों न्त्ये क विं श्या न्विं श नुष्टु ब स्नि रु त्के घ वि का प्र त्रु वि वे स्य
द त्रो ता वि स्व दे वं प्रा गा थो त्रि शा ति पं चो पां त्या उर उ त्रि यु त्रे दि यां क स्य
पा वा ना री वो द्वि प दे न द्वि वा ष्टुड ष्टुं सु र उ न्नि गृ ह त्य नुष्टु बे नं यो य उ तिच्छ्न्ना

Indira Gandhi National Centre for the Arts

त्रेज्यास्तवो यज्ञायज्ञप्रशंसास्वित्यादि पंचेदे पच्चोः शिक्षास्तदाशिषोनुष्टुभ
नुष्टुभे स्तं तं नवन्त्यनुष्टुप् स्थामी दा दानि ऋता ४२ मऋता नि त्रिरा म्नेका
त्रिष्टिर्वयं ह्यिको नाने ष्वल दि ह बार्हते त्रि गा यन्त्यनुष्टुबंत मेडयादि ष
च्छूजानी दाति हि रानुष्टुप्सं ह ओत्यो गायत्र्युस्त्र सहस्त्र वेस्तुरो लिखो गिला
परथेन ह्तिना चतुर्विशातिशयाका ष -प्राग्वेन सुपारि या अ नि षंपंक्ति
हा बृहती पंक्त्यंतमविता समन गा कर महावस्यतं वेदन हा पांकमाघा
निष्टुगती प्रगृस्य दशोंड्रा मूं मजिमस्तो लिनानाकप्राप्ते यमहापांकेति
त्रिष्टुबद्वितीयाशाकपंक्त्या ककुप्दशाकारणे चस्तनावृ २२॥
चत्वारि दशौं अमूं सं वा त्व मास्विन मानुष्टुब्जमपद्रपदिनेचयास्विं
रवेनाजामीनाति ष्टुन्नमं

त्रिष्टुप्द्विचात्रिंशाति
शाहिरूपश्चां निरन्तश्चा मूना कुसमि त्रिष्टुब्गाथा ह्वि च वा रिशा त्रि
शोकुश्चाघाश्चेंडी। ४२ त्रीवनत्व यास्तेशाघ्र यो ष्यु श्रासादिकानीनयाप्टुष्टु स्त तौ
श्रवस्वादानस्तु तिरण पादनियत्यं चन्यादिकञ गावती बृहत्यनुष्टुप् स्त तौ
बृहतीगायत्रीविपरीतास्तः प्रगाथो ह्विपदाच तु विंशाक्षि ह ती पिपीलि
कनमध्याककुन्न्यं उ शि रा विराजु गन्तुपरि ष्टाद् हती बृहतोविषम
दोहरा पंक्तीगायत्रीपंक्तिः प्रगाथो वा यथो गायत्री द्विपदो स्मि तांक्तिवी
पवागायत्री मह्विवोघूना नि तन्त्रा सात्रादि तं न्योत्याः पञ्च सेयमहावि
के स्यादेः पंसो ना प्रगाथः सोम्य त्व पं चमीऽगत्यं चित्र दशाक्षं तं
मागा थं तन्नाक्रतं पुष्टिगुर्याय्या नतो न्याहिगुर्यथा मना वारूपमचाद्यो
पु
स

श्री ४

मन्त्र ऋत्विजो मातरिश्वाना विश्वेदेवा विश्वदेवत प्रगाथो ऽन्त्य दीर्घतमस उक्तं लक्षणं स्कन्दं अ
स्मादन स्तुति ऋ गायत्रं चतुर्थी यार्पं त्र म्या बनुष्टुनिप्रालि ते पृष ओन्यागि से
षी रेष्विं पुर्वदेवा न तुष्ट मेध्य आश्विनं त्रिष्टुप् मानि ता निवी प्रकृत्य उपर्यै ऐन्द्राव
र्जागते मरुताविंशति ज्ञेगी प्रगाथ आ मे यं प्रगाथ त्रिलय कूना प्रो [illegible]
द राव गायत्र्यां पा [illegible] म्या घा स्ति स्तो हद सः मस्तकगाय चेनाघान [illegible]
दि ह स्प्रमी चाष्टुभ तोंत्पादेवी त्रिष्टुब् बायदि इत रोति: पंचानाक
ति: प्रगाथ: प्रगाथ म तानुष्टुभ्यांनुपस्किम सोस्पी म ऽ दोमात्रा [illegible]
वक्ष्यति मीन्मा का ब हवोत्रा न स्यादा लन द्वा आदि यान कु व देश श्री
म्याघा स्क्रि स्राघ दितेः ॥४४॥ आश्चविका नाभिय म व आ दाव २३

---

प्राप्तवनुष्टुप् स्व स्ववा सु यारो त्या पञ्च दा शॉ सू मे घ योदनि स्तुतिः प्रब्रह्मणा
अतिस्तं द्वि पृष्ठ त्वं द्वितीयोसि कुत्र च्या घास्त्रि न्यो गाय च: घो लश्ये क्वा स्यो पंक्ती
प्रपाद्स्व दद्यो ईसि यो यान्त प्रा यो रा जा पंचो ना पञ्च दन्मा धा है ते त्रि: प्रगाथा द्यात्
नुष्टुप् पुर उष्णिग नं षंन स्तु दाति पु म नी द्वया बन्ति त र आ से य त्रि प्रगाथा ते द्विधि
घृष्णा दुर्य नप्रागा कृ दृत्तिपा स्तुति वोदारा श्रा गोप्तन पाठ्य: सह व द्वि वी क्षिते विराट्
श्रा व: पचोना नूयं दाँ दि दे उ हु म्युस्या स्त्र वा: स्तुया रो पा स्ति स्तो नुष्टुप् न प्रा ही स्य सूक्तं
गा तन स्तुतिर्घु द्विहिया लश विमूप ई मेन्द्र द्वादश अ सूक्तिः का एवो ऽ हा न एकादश प्रगा
थान्तं पुरो का शं द्वा दश हृदन्ती तं म पं दन नुने व रु हुता गो वह सो म्य मीता नुष्टुप् त्र स्त्य न्तो द्वि
क घ नो ब्रह्मा गाप त्र्यं त्यादे वी त्रिष्टुप् वा तनो न व उ मी ही का एव ॥४५॥ प्रा गद्व देवानां

Indira Gandhi National Centre for the Arts

विश्वे देवं पंच मुशाना काव्यश्चा भय मामे सप्ता स्त्रिनो स्कि नाहा विश्वको वा का लिंजी गते
मा मीना पङ्क्ति शा वाक्ष्वि कः प्रियमेधो वाचा गाथं हतवोदस्मै ना वा इहादिः समस त
न् मे वसुरुने श्चे घ नुष्टुब्ह दंत मानोषि श्चास्तु ष ह्न्ना वाः सश्चानेः पाले हं स पंश्चा ति
नृमे वसुरुने श्चे घ नुष्टुब्ह दंत मानोषि श्चास्तु ष हून्ना वाः स श्चा घ नुष्टुबु ह्वः श्चि शस्तु
तु हृ नंबि दक्षा दिषां ता त्रयस्त्रिं शाकुलकदाः सूर्त कोशो वा मारुत मा चोन व निरश्वो गिरस्त्र
कशौ ऋ टासं की गार्थ्यने हो दशा विंडः सूत दक्षो वा मारुतमा चोनव निरश्वो याग्नि रस्त्र
चु दुस्न नम्नो मिका क्षता नो वानो मा कनस्त्रि ष्टु न्नेव द्वे विराडि पानी नि पादा ना
स्तः पुरै स्रा बा ई स्वता या इन्द्र पं चोना रेन्द्रः का रशप पो बा ई त निनिजगत्य
परि शा हृ न्नव तौ त्रिष्टुब् जगती यं ततः ॥ इंद्रा पञ्चा द शान्ते के व श्च २५॥
लिंदं स ह म्न पान्येव दत्तो का न गंधो उरु त्रि शो या निदा ञो शागा श्चन

जगती २

यंतेश्चा दशाने मो नागीवाः स्त्रि ष्टुन्ने ष श्री ज गती परा स्त्रिस्तो नुष्टुभो घ नि नि हवे ने ज्वाला
नम स्तो दश मी सो प ली नवमी व ञ्ज्मे स्तु नि रूपा स्तवा श्चा इवकू वाल राजम हा नि जी गी
वो मैत्रा व रुणा प्रागा थं त्रि ति दुर्बतं हती योदि गा य श्री सता हृदती स्तो चे रा ज स्तु क्त पा दा
दित्या स्त्रि न्यो वा य वो सो यौ हृ द स्तूप स्या स्तूयं ज्ञानास्तु ति बा पावना नी गवो च मग्रे श्चा
त्रि का ना गवः श्रयो गो बा ई स्व ञ्चो वा त्रि पाव का स्त स्तुत पो वा ग्नो र गे ह प ति यै हि सः
याया वी न्यतर श्चा मे पंच दशि ष्णु ना सो न रिबा हे तं पंच म्या घ युजः स तो बृहता
प्रम्या दि युजः ककु भा प त्री का कबनु ष्टु नो त्या म्नि मारुती न वमं मंड लं पा व मानं
स्तो मं स्वा दिष्ठ या दशा न पुरुदाः पव स्व मे अति ऋरे ष सुनः शेपः स न दि शा स्त्र
पः सा नि श्च रका दरा का श्यपो सि तो देवलो वा विंशतिः स्तका न्या घ माद्रि य श्च

नं

उरुं कृणुतं मंदयानकां स्वगृ मेते सोमाः परि प्रियाः प्र स्वानासउ पासि सोमा अ
स्व ग्रं ॥ ४७॥ सोमः परि प्रा ष्ठा वे नम्ठियापमने प्रनि मे ने व परि सुवानः स्वनय मं
म प्र कवि रेते भवे ति सोमा सः सोमा त्व स्वर्ग प्र सो मा सः पवस्व पर इन्दो ॥ ऋग्
म प्रकवि रेते भवेति सोमा सः सोमा त्व स्वर्ग प्रसो मासः पवस्व पर इन्दो नू ।
यत प्रा गमत्स्रोम मृन्दं ने प्रव हो दा ई आम ए ऋर्विने मे ४९ नवा जी प्रियमधं
आश्व नु मेवां प्रबा रा विदुः प्र सो मा सो गो तमः प्र सो मा स पा ना धः प्र सो मा स
त: स सुवान आनः पवस्व सन्दूवा सु र सा जि स सुतो रह्ह गा ॥ रषत्स्य आश्र
व्हचहन्मे ति ३ नानः प्र ए गावो म क्ष न ति विर्जे नयं न्नो स्त्र्यई वा ४८
प्र णा या स्व: न पवस्वा सुरू स्व गृ न्वो ग्या सोन: पंचक्ता वि नो गे व: सं चा पवस्वे २५॥
उ ते स्व प्रा स उन्द थ्यो यो परि मुक्तो तेव उ क्र मव सो रो स्य प्रन्तो यवंदद

५१

सा म

परि सोमः स ते अ गा स्त र स पवस्व ग गा य चे णो पी ला पुर उ क्षि ग अ या जी ती त्रिं
शा दम हीयुरेते अस्त्र ग्रं ज मद ग्निः अ पवस्व ति धु वि: का स्य पो हे धा सो म क श्य
प ॥ ४९ हि न्वे ति त्रगु वी कति जै मदग्नि वी पवस्व शतं विरवान शा श्रा द स्य नु क्ष प्
प ॥ ४९ हि न्वे ति त्रगु वी कति जै मदग्नि वी पवस्व शतं विरवान शा श्रा द स्य नु क्ष प्
रास्ति स प्रा ग या स्त्रे मा म सि डा चिं श ड्गर वाज: वश प्र पो गो तमो वि वि श्वा मि त्र
म द ग्नि वी सि श्र इ ति ह्ह वा: स शत्त्व य: शो ष पवि त्रो व म्पि षां वो ती वा पवस्व सो
तिस्रो नि य छि प दा गाय त्र्या वि ता नस्ति स्र: पो ष्ठो वा य हो ष दि वं पं वा ग्य सा
वि श्व मि सा वि त्री विश्व देवी का सा मं त्या ऋिं शी उ र उ क्षि व्स न वि शपनु ष्टु बं
स्प वत पा व मा न्य ऋ च स्तुती जा ग तं मृ हं गा गृ या न स्त: प्र देवं दश व स ज्रि ता न
द न क्षि ष्टु वं तं ही शु नं हि र ण्य स्तू पो त्रो वि ष्टु ती वि रास्मि रे घु राद हि ष्ता न

Indira Gandhi National Centre for the Arts

नैध्रुवस्तौ तिस्रा मित्रो हरिं हरिं मीतः स्वच्छ पवित्रं गि ऋजी कद्री वांसि ध्रुव
ध्रुवा तिस्रियाणि पुत्रकविः ॥५७॥ यात्रं वत्सराजो वोदमः सोमस्य वसुनीर वाक्
प्रसोमस्या सावीति त्रिष्टुबं त्यापवित्रं नेपाधिनः पदस्य काव्यः प्रजापतिर्रिङाय घास्य
वेनो नार्गवो द्वित्रिष्टुबं तं प्रत्ने शाव धारिंह हरिगणाद स्तवो अब्रुर्ष्टा माघाः ऽसद्म
सिकतानि वावरी द्वितीये पृश्नियो ज्ञास्त्वती येन यस्थ त्रयोदिः पंचां त्यागृह्य नदः
अनुनवो शमाय सामोष्टो शस्य सम सदि च्यानः षडु स्विछाः ॥५॥ प्रसजि कशापः पृ
ग्नो) सुवानः साकमुहः पंचौ भास्वि यिय क्याकनि कंतिस्य स्यप्यस्तनानीष्ठा विंश
निर्दिवोदासी प्रतर्दनास्य प्रवाशा पंता शरा षंट्ट वंवास यो पश्यदु ज्ञानं नवहृष्य ॥ ७६ ॥
सि हाइ द्रुप्स मति ह घजगा मन्यर्यो द्रुपा ढाकिः कश्यस्य मंलीकावसुऋड्ति वर्त

रूपमन्त्र१

शा दया शरीं त्याऊ सोनि नोद्वरगो वरी वरुजिन्धा यानुष्टुभं हृदह सत्यानाहर्य
नायामीरो एन स्तनुका श्यपोह हन्या धानी नवतेनव ॥५८॥ पुरोजितीवालशाय
तुः श्या वाश्विर यंयूतिनौ दुष्टान हुषामान वो मनुष्या वरयाइति द्वाः शास प्रजा
यति रूपा घेगा यच्यो ऋपणा द्योमित अकि हवि मपुनाना य वा द्वनश्रा स्याम
स्त्राय: पर्वतनार दिकाश्यपाहि शिखंडिन्यावा सारसोतवईरमंस्याषञ्च नाम
स्य द्यु षसुरु मौनवो मनुरा शायइति हशा: वंशाग्निः परीतः षद्धिं शतिः सहस्रपयः
प्रागा यंच नीया बो रशिषाद्विषदे छन्या ढो ह हात्यापवस्य षोडशागोरि वीति
हि वंवशाकि रे कामू रुजो जिज्ञां हृम न्याकृतयशारूपी जयइत्य षष्ट प्रा ह
वासिस्त्रं शाकि काकुन्नी: प्रागा थाः सस्तुन्वो गायत्री वैयम व्यसपरिसघा

Indira Gandhi National Centre for the Arts

चिका मयोभिक्या ऐन्द्र यो ह्वि पदं द्रपु जु षादशा . क . पंचसदस्य राजा
नो पिपीलिक मध्यस्ति स्तोनुष्टुभ: एकर्ष्र्चैरत्य . . ल स्त्व विराजौ पाद
चाच्यमनानशः पाऋचे पिपिसरय एनानामं दत्तं कं शिशः पाकं हिशयं
तावन्धैकादशाक शपो यईदोषं भ म गेसप्तत्रिंत: पिप्री ही नः प्रत एक
प्रथ स्त्र स्ति: प्रकेतुनानव त्रिशिरा चाष्ट स्वचों त्य ऐंद्र आपो हि स्तिं धु द्वीपं
वा अंबरीष आप गायत्रं द्यनुष्टुवंतं पंचमी वर्द्ध माना सप्तमी प्रतिष्ठा विलं
ना विवस्वन ये . यें न मन्ना: सनादः यं अयुक्षि मी तिथुना ये पर्ग जो वा वसन्तां ये २
न वमी युधिष्ठिर नित्य स्वंता रुदे इषा न वां गिरं हे विदुंत प्रा मेघ तिष्टुबन्ते चा वायुज २७॥
पंच विवस्वा मा दि त्यो हादि श्री नेऊग त्वं नंपर ा ये वी मं पा . . स्कां यानं वश्री
ओं

त्वा १

लिंगो क्त देवता परास्ति स्त्र: पिथ्या वा च च: सत्याप रानुष्टु तोष्ट स्तफ पों पामा पनाः
परे पंचो दीर्घ तां पक्षनाश्री खं: पिथ्यं जगा नो का दशी मे नेद नन आग्ने यं व तस्नुष्टु
बंतं चष्टा दवग्र दाष्टैसर एषां उद ता तपोग्ना स्यतस्त: सार स्वत्यास्ति स्त्र: पंचाध्या
तु द्रसप्ति स्ता सोम्या वा न्य अनुष्टु नां पा त्या पुरस्ता द् वृहती वापरमन्त्यो संक सुक सु
तस्को मन्त्र देवता: पता पत्नी पराह्णा पत्नी पराः पितृमेध एकादशी प्रस्ता रपंक्तिर्जो
गन्धुर्वा व्या मानुष्टुप्या जापन्या वास्ता नि रुक्तौ॥५४॥ निवर्त ध्वमा हो माथितो रु
गुर्वा या रू तिज्यो गिं व आव नो वा पं ग श्री वा मी वो मी को द्विती यो ष्टुतं आनुष्टुबंतं च
पश्चा या या ऐंद्री व स स्तो न रा रथें द्रो विमर्दः प्रा जा पत्यो वा वास्तु को व सु सूते र दधा
स्त्रीजायये ई वसमो नरा रथें द्रो विमदः प्राजापत्यो वा वास्तु क्रो व सुक्ते रुद्रपा
ग्ने यं तु गायत्र ना धिक पदा पाद वंवा शां त्यर्ध: पमनुष्टु बंत्ये विरा ड् दुष्टुप्ना वाग्निर्नाष्टा
वास्ता रपां क्तं जाद पंचो ना पुरस्ता द् बृहती त्रिष्टुबंतं च त्या विदा नस्त्व लानुष्टु नो पजा

Indira Gandhi National Centre for the Arts

महेशनां कौल्य त्रिपुर लोपंचम्य निसारि णी इमो मे छला स्मा रयो कौ च. ज्ञि न्यो न्या
क्षि स्मो नुघ नासदुमे काद शास्मो म्ये सहि नव णोक्ष मा नुष्टु नमा धावंउ यो को
क्ष्मिरूणवमस्तु वत्रु विंशति तिं उाव स्तु क्रो विश्वो रि द्वाद शां इवस्तु कृपो सं वा
दरेइ : स्मृ २ क्र सूत्र थमपे इ स्प स्तु षापसो क्र यदिं मा दें इस्य युजः शिष्टा क
बियस्व त्र थी च वनेना क्षो प्र दव त्रा पं वा नाक वषदे वृष श्रा प म पान क्र
वा न एकादशा विश्वदेवे प्र स्व अंता नाव पंचा द्वाजज त्यः ।५५ प्र मा या विश्व दवे
उः प्र गा थाः प रा गा य ज्ञो दि उा रू श्रव णस्य त्रा सदस्प दान स्तुतिः प रा नि स्रे नि
चानि यो रा क्षिन स्तु हा दृष्टि रूप म श्रव स्त पुत्र मस्य व्य शौ क ष स्त्रा वे भाः ष ल्क २८॥
ना मिउ वा च्चा दो दरा षि प्र शंग ता स्ता दो कि त व निदा न स्त प्र मी ज गत्य बुध्न्य
वस्य २

स्नि
शो श्च नाकः विश्व दे वे क छि त्रिष्टु व तं त्र षा स्तान क्ता नमो वा दशा स्तो यो नि तय:
स्तो श्री ज्ञाग तं दे नि त्रिष्टु व्ध शा म्य क्षि न: पं व मुत्त गा नि उो यो वां मस्त ना का दी स्त नी
छो षा श्विनं हि त्रिष्टु वं तर यं यो तं स्म ना न र व स्तु इ स्या यो षा यामू वि का द न
क्ता हा मे छि त्रिष्टु व तं वा या नु त्रि त्रिष्टु वा दि दि व स्व रि द्वादशा व स त्रि रा मू ष क्ष
।५६ प्र दो त: दया उ न न्या ह्मो स्त न गु वि अ ह इ त्र प्र वा व ज दा ना मा स्तुरी ड
त्रल्यं पुत्र नि छे मी त प स्तो प न स्या: स्व य मे वे इः पु त्रो उ हे स स प्र गुल्सु नि
सं हू ष्ट प्रा मा न मु न्मै स्त्रि नि स्तु शा ता ह न्तु व ने का दशा शो त्य त्रिष्टु नि
स त्व वा हृद्य गे त्या पा चे त्रिष्टु नो प्र वो भ म हे हे स्त क द्वि ज ग त्यां नं के के नेनि
नी सा रि ण्यो व ष द्वा रेणो ह कै ष्टु त्रा र षु स्मो वी को ज्मि र पः प्र वि ष्ट पादे

Indira Gandhi National Centre for the Arts

वः समवदन्तो रिक्ति निर्मेहन्तै नवतन्च पुत्रोऽग्नि वाक्यै विग्र इत्यूचारी
वषट्‌ न पुत्रोदानायामेछामेत्यूनर १ विकादशातेदाघेति त्रहस्तोग्ने
संग्रलाघा जगत्योष्टमीवर्जं तां मुघट्टदृदुर्ष्णो वा मेदयोद्रेष्टाविंद्‌ते
प्रशाविश्वदेवं त्र्यवन्तु घ्यां घा स्तिसो जगत्यः परा, वचारिस्वे तानानुका
स्त, सयो हि पदेच त्रिमंडले यराः दृ वो रा गासतोस्तमाति ग्रौ पापघना
रु, स यो हि पदेच त्रिमंडले सराः हु वो रा गा स्ताे स्तमाति ग्रौ पापघना
क्षु शादीनत्यूरो हि तोस्यक्का न्यो मायाविदो बृ ताभ्यामचा पूरा दयेन
मित रेऊद्दा प्रतिवरूरपातो माया विदोसुबंधेप्राणानाविछ्रिपत्तर
यहाप्त्वा तरथैम्लयो मायगामेति षट्‌ गायत्र्यं स्वस्य पनं जपिचाय २९॥
त्त इति कादशा हीनामुत्तुष्टं तं मन त्र्याश्री वर्तनं ञेवुः गतारीतिदशोर्नैव

तज्जोनिरसिता पनोदर्यं पे पुष्टंन्गतिसोमी वास्तु वम्न सो रपन्नाम योन्र सान्यो
देवीनत्तूक्तिति सप्त महो लिंगा न्देव ताः शिष्टा न्ति पंक्ति महापंक्ति पंक्तौ
नराशि ध्रद्रा त्रिष्टुब्वो समिंद्रे तीद्वादशवैनाजनमिति द्वादशर्वमानुष्टु
भंवत स्यानि रुयमाति मस्तुवनर्थं चन्नैं २ इप्युष्णा गस्तस्य स्वमा मातिषो
गाजानमस्येच्च रात्रिः स्तुनं श्रीली मद्वाक्य वन्नमयालंज्ञसंतुम स्त्रय
पंसाद्या गायत्र्यो ष्टम्या बृपंक्ती इदमिछा सत्ताधिकानान्ताने त्रिष्टुभो मा
न वाविश्वदेवं तत्‌। ५७ यं यज्ञेनैकादशाघाः षलंगिरस्यो स्तुतिर्वीणा त्रिष्टु
बम्याद्यानुष्टुप्‌ गाथोनुष्टुप्‌ त्रो गायत्री व नस्त्रो त्याः सार्वसर्वदा नु स्तुतिः प
रावताः न स्त्रून्नागयाः ज्ञातो द्वि त्रिष्टुबंतेनु स्वाक्तो न त्रिष्टुब्‌ मा प ह वोत्तरया

Indira Gandhi National Centre for the Arts.

पद्या। थ्यास्त्वति दैवत्या। कथा यास्या त्रिष्टुब् अग्निर्विद्युः पंचोना वसुकर्णो वा
स्तुत्यस्त्व पुत्र तंत्र देवानुवद्माविर्वदा दशाध्यास्या ब्राह्मस्यत्वात् दु पुत्र
नडा: स्तुमित्रो वा धास्त्व ऋषाग्ने यो द्विजगत्या दीमां मए कादशा प्रग्य ह्स्पते प
ह्स्पतिर्डाकु क्षा वनव मीजगती॥५८ देवानां देवलोको वा वृहस्पति दीक्षा
यं एव द्विति वा दिव मानुष्टुब्तेत्रु निक्षा एकादशा गोरिवीति दस्रनां पद्य
स्तुनव सिंधुक्षिप्र प मेधः नदी स्तुतिर्जगतं गोवोग्नेः पर्पेष्टरा वनोजरक
लो ग्रा क्लो स्त्रोदप्त क्षपस्य नर त्रिष्टुतीगीवो नारुतं उ पं च मीजगती वि
प्रासो द्वितीयापंचम्या पाश्चात्य काउगत्यो पञ्चं स्ता सा सो चीको ग्निर्वैश्वानरो
वा सप्ति की वाजं नर आग्ने मंत्र्यग्निः सप्तिं यञ्चमा विश्व कर्मा त्वा वनो विश्व २०॥

कर्मणोऽनु द्वितीयाविराट् पा वक्तुः बो यस्त्रो मन्यो मन्यु स्तापसो मान्य वंत्यो या घा
जगती वयामन्यो च ञ्जु ज ग तं तं स त्येन सप्त वचा विंशस्सा विश्वा सूर्या त्वा देव
तमानुष्टुब्नं पंच वानि: सोममस्त्रोत्पराणिस्य विवाहे सप्तदशा देवान्परयाञ्चा
मा कोपरया चंद्रम संप रान्तः विवाह मंत्राशीः पूराघा: परा देहि हि द्वितनदेवाम्
संस्पर्शनो वन्या परायस्तनाशः नीप राद पत्यो नेवो नवस्ति स्त्रा न्तरा ग्
म्को नीति द्वा द्वयदर्शिना सूर्या वोरवद्रि त्रिष्टुब् नखिष्ट सुरोष्टहती मवी
पर मिहत्रियमानः प्रजां जगत्य:॥५८ विहित्य थिक एंडोष्टणा कपि रिद्रा
उर्वृत्त सूदि रेपा कं र को हणं पं वा स्त्र का पा पुरा इ मे दीरा हो घृत त्र रन्त
वं नं ह विरेको ना गिर मो मूर्द्ध्नो चो आम दव्याया वात्सैयं विश्वान रीय सिं
सू१

स्तवघ्नो नारेणुः पंचमैंद्रासोमी सह स्वशीर्ष्णो बालखशा नारायणः पौरुष
मानुष्टुभं त्रिष्टुबंतं संजाग्रवक्षि पंचोनाकूणो वीतहव्य आग्नेयं यज्ञस्य
शापो तो मानवो विश्वदेवं त्रुजागतेन हितान्वोः पार्थः प्रस्तारपंक्तौ पुरस्ताद्
दृतांतं त्रयोदश पापाद्यानुष्टुभो नवम्यष्टारिः पंक्तिरेकादशी न्यंकुमा
दृतांतं त्रयोदशफपाद्यानुष्टुभो नवम्यष्टारिः पंक्तिरेकादशी न्यंकुसा
रिणी विनेषकेना सर्पो वुदः काद्रवेयो ग्रावस्तो त्रं त्वमग्ने त्रिष्टुप्तोमपः
रिणी त्रिनेषकेना सर्पोर्बुदः काद्रवेयो ग्राव्णो स्तौत्यंत्यमग्ने त्रिष्टुप्तोमपः
मीवाद्दश पेयं स्नोवं शो मित्रः प्रकरवाः तू वोचित्ता कामान्पुनराश्चाधाव
मेद्रुमेकोनसातमनि छंदो प्रत्यावषद्दशयदृष्यो कदास्तुदेवांत
रिदंसा स्तचे तिनिस्त्राग्नेवाकौशिकाः जर्वे श्यपः जातसमत्तिनाव ३१॥
रुः स्तवं हरितौ दृहारस्तु स्ति क्षित्रिष्टुबंतं याउपवी स्प्यचिकाश्चंवैतो

त्रिषजो षधि स्तुतिरानुष्टुसं हृहस्पते दंदशा छिषेणो देवापि हु ऋकामादि
वांस्तुशापकं नोवक्षो विश्वानूसइंद्रवस्य वांदनो विश्वदेवं चंत्या त्रिष्टुबु
दुष्य्यद्धबुधः सोमपंच चिकत्तुतिवो नवमंते जगा सो पंचमी इरुतीं गायत्र्योर्म
न्यप्रातमृजलीता मन्युकृष्णत्तेणा कृवुणोनवाजिंजिगायेति ह्योगएला
घाटनी यांत्यावहृत्य प्राग्नः सलोनिदोप्रतिरश्नगेत्रयोवाद्दीस्पत्या
पंत्या चादेवी त्यानुष्टु म्नारुतीवाम्नाकेकादशा षट्कोविश्वामित्रः कपा
किस्तो दुर्मित्रो नाम्नो स्तुमित्रो गुणतः स्तुमित्रो वा नाम्ना दुर्मित्रो वा गुण
अक्षिरदं हराव डूपि पौलिकनं त्रिष्टुवंत्या घागायत्री वा ६१ उत्तोनूता
शः कारपप्राग्धिनमाविदिव्या दक्षिणा वा प्राजापत्या दक्षिणात छंदश्चा

स्तो अनुष्टुभौ जगती किमिच्छन्ति पणयोऽसुरा निरुक्ता गायत्र्यन्त्ये त्रिष्टुप् सरमाद
यु वसुनीरुणप्रहितातामसुत्रिः पणयोऽमित्री पंक्ता प्रोक्तः सन्तान्यं गमं त्वाथ
रनिच्छन्तीमन्या वष्टेनैव दध्यास्म जुहु बैसा ना आस्ता बोधूनाना विश्वदेवेभ्य
नुष्टुबं तं समिधु एकादश जगदग्नि समस्तु ता वा राम आप्रियः परे च वा रो
विरूपा मनीषिणो दश अष्टादच्छ इद पिबन्नन्तप्र नेदनस्सम सा शात्तय
नेदन स्विष्टुब्वं तं वुमी सप्ति स्त्रापसो वाद्यमो विश्वदेवं वत्सप्री जगती त्रि
इन्नव वा ऋद्ध्वी उपस्तुतस्याग्नेयं जातं त्रिष्टुप् शून्यं यैनं पिबस्त्वो रोऽग्निस्सू
नोऽग्निं सूपो वानवा उत्तिरु इर्जान्न दाशश्मा चाद्य जगत्या वत्स्रे हस्कुरदे ३२
सपा महीप्यैमाग्ने यीरा लोधूं गायत्रं चितिविमस्तो नित्येकवर्मा नंतु शाव
ब आ १ लोर

६२ तदिन्नवा पर्वेणाऽष्टर्चा हि वो हिरण्यगर्भो दश हिरण्यगर्भः प्राजापत्यः कायं
वसुन्नाशौ स्विचमहावसि षच्या सेयं ताजमा घोपंचमी यज्ञे हो विनोवि
न्य मिमन्नो नविंछन्न मानि ह वो त्रिवरुणस्तोमा नाना गा घाग्रेपीति स्वस्थाने
गमस्त्रवं स्त्रिष्टाय पानि पातंत्त समी जगत्यहमष्टौ वागांभृणी ब्रह्मवाम
गमस्त्रवं स्त्रिष्टाय पानि पातं ततमी ... बर्हिषो वामदेव्यो वा हामुर्मस्व
नं द्वितीयजगती नं तत्रिज्ञ्च्युप ... कक्षिकः स्मोत्न रोरा त्रिवर्षान्तिर वार्ज
देव सुपरिष्टाद्बृहत्यन्त्या त्रिष्टुब्बार्हि ... ऋषिकः ... विश्वदेवं जगत्यं तं ना यक्ष्म प्रजापा
त्रिष्टुबं गायत्रं समा मेनव वि ह व्यो विश्वदेवं जगत्या घापः प्राचः स्मुकिर्त्रिः काद
मेष्ठी नायत्तं त्रयो यशो यज्ञः प्राजापत्यो जगत्या ... तोना मैं ... मित्रावरुणेन्यं जामा
मध्येनुष्टुप्ड्रो न्नरा वाश्विन्या विजानंद्राकस्तोना
ब २

Indira Gandhi National Centre for the Arts

घालिंगो त्क देवतो त्वाम हा स्न लो ह हस्तू यां ओ यो येच त्र स्वार ने तिःशे बा वि र त्कूपाः
घालिंगो त्क देवतो त्वाम हा स्त लो हत्क पां कावा घो न्द सीं वैं स्वा त्रिष्टुबुन्ते पंन्मो धन मा त्वो वृ ना [illegible]
त्रुदा त्येत वनः शो त्कू रमा ला पां त्का वा घो न्द सी वैं स्वा त्रिष्टुबु [illegible]
त्कं वं तिरं त्वाता म ध्व श्री गा न्हा प स्व द व ल्कि त्कु ना को य न्माय नो घा म माऽनुष्टुप् हि के शी लु
तर सा नाऽकू तिर्वा तऊ ति विं विऊ तिरि वा ण गार् त्कु का रि क्रत्त्त श त्र थ म्ब गा श्रो कश्चीत्कृदि
तर्दवा स्न त त्क ब ल ए त्क वी विश्व देवें तवत्व त्र लं ग अ र वो जा ग तं स्तू यं र श्मि र्दे व ज ये यं
त द वा स्न त त्क ब दए त्क वी विश्व देवै तवत्व त्र लं ग अ र वो जा गतं स्स यं र श्मि दें व गं यं
स्म ब स्नु रा मा न म त्सो त्र वा ड्डि सवि ता र म ज्ञे त वा घ्निः पाव क त्राग्ने य मा चे वि ष्टा र पं क्ती नि स्त्र
स लो द हत्त्व ब प दि ष्टा जो तिर त्रे ष्ट्वा अ ग्नि स्ता द स्लो विश्वे देव मा नुष्टुब् नं ल य दना ष्टा द्वा
शो गौ ज दि ता जो गाः स रि स त्क स्तो न मि त्र त्र मा न य मा ये ज ग त्यो च स्व स्व त्रि ष्टु न ः ा द र सं ध
श्वा स्यो त्रिरा श्चिन म ये हि ता र्दः प्रत्नः लु प स्त्रो या मा य नो वो ह्कु शानो वा गा य त्री द ह ती गा य
त्को स ता र ह ती वि [illegible] र प ङ्क्ति रि मा मं ग ण प नि घ [illegible] नी वा य मा ना ऽनुष्टुब् नं त्र पं त्स्य त म र ण्या न्व
म दो दे य मु नि र र ण्या नी त्र ष्टा वस्न ते पं च सु दे वे दः त्कोपि स्त्रिष्टुब् तं स्मै या ण ना नः द धु र्वि न्दः सवि २३



ता र्वि न्द्रे र ण्य स्तू पः मा वि त्रं स्त ति स्त्रो म द ती को वा मि श्र न्ते ये बा र्ह त म त्ये न्न प दि ष्टा ज्यो ति षी
ज ग त्क पां ता जा स्व द ण स्र द्वा का मा था न स्मा ड मा ऽनुष्टुप् तं त्र शा नः गा मो ना र द्वा ज इ रि व य
सी दे वि ज्ञा म प इ द मा तं रो गा प स्त्रे स्तो मो य ग ली नो व ह ह ता ऽनुष्टुब् नं व रा पि च्छि रिं वि को
ना र द्वा जो स द्ली चू ह्वि तो घा र ती ये ब्रा स्त्र त्य ल्पे त्वा वि श्व दे वा नि के त र ये यं जा य त्रं त्वि मा
त्रुत्नुवल त्रा स्पः सा य नो वा त्वा नं वो वि श्व दे वै ह्वि य दं त्रि ष्टु ब् स्तू र्यो नि श्रु त्कु सो र्य स्तो यं गा
य त्र भु द स्तो च ट पो लो ना शा स्वा त्वा नं त्रु ष्टा वा नु ष्टु ब् तं तो त्रं पं च ज र गो तो वि श्वा मि त्रो ऽत्रि ना
नि त्रा त्रा प त्यो य दे ल्ला ना श ना रा ज य स्त घू नं त्या नु ष्टु ब्स्त णा प ष्टू जा त्तो र द्रो हा ग सं स्त
वि ज्ञा य द्वि त सा ऽनुष्टुब्नं त्व द्वी त्वा वि ह्रू ह्य का त्र य पो य द्वा धू म पे हि पं च प्र चे ना द स्व प्न घ्नं प्र
तं त्रि ष्टु म्म त्वं द वा नि ऋ तः क पो तः क पो तो प ह ता त्रा य श्चि त्त मि दं वि श्वे दे वे न ष भ म घा ते
वि रा जः शा त्कु से या त्त प न ध्रु ता नु ष्टु भं मा हा पां त्यं तं त्रु त्ये दं य त्र क्षू वि श्वा मि त्र ज म
सो गी ता ग तं र ती घा लिं गो त्क दे व ता वा त स्वा नि को वा ता य नो वा य वा म घो त्क ऋ

Indira Gandhi National Centre for the Arts

[illegible] ल्सी वृते [illegible] वीं लिज्जा [illegible] मासना र दिकी तं छेस्यामि [illegible] नागंधामा [illegible]
मा [illegible] हिते [illegible] दिपे [illegible] कोराऽह स्तुति स्था नु [illegible] नात्य नाव चे निवे चानी [illegible]
मद्व्वत्र श्रम्ह [illegible] मा वाधुं दिर्यौ [illegible] लो ज्ञाय [illegible] न वा [illegible] नु [illegible] नेव भांग्रेप मा नु [illegible] छितो
या गा [illegible] र्नवी [illegible] चे चे पते भोग : आज्ञा रमो ना या ने दे ज ग [illegible] दि य [illegible] दि [illegible]
स्ना [illegible] मा [illegible] तिक वो : [illegible] नर : [illegible] राज : प्रन दै नो रोशिद [illegible]
आपा नु [illegible] पुस [illegible] ग प ऐ [illegible] धर्मा [illegible] कवीः ग घो वा मिखुः स्त प्र पो ना र धा जो व [illegible]
विष्ठ दे वें [illegible] स्यानिस्त [illegible] नु [illegible] वा हे [illegible] स्यत्य न पश्यं प्र मावाज्ञा ज्ञा प तो [illegible] वे [illegible]
प ज्ञी तो त्रा शिपा वि क्षु स्व स्वा गर्त [illegible] लि क्षु [illegible] माजा [illegible] नी पा शालि गो [illegible] व त मा नु
[illegible] नं मा हि [illegible] त्व धति वा [illegible] त्वा दि त्पं स्व स्त प नं गा प त्रं विद्या ते वा ना [illegible] न उ [illegible] वा य [illegible]
ये पथा ग्रे यो व स श्रा ग्रे यं व्र प्र नु नं ट चमा ने पः श्पेनो ज्ञा त वेदस्य मा पं गोः [illegible]

Indira Gandhi National Centre for the Arts